
FULL STOP - 21

➤➤ मनसा में हलचल किन तलों पर ?

➤➤ _ ➤➤ संकल्प (THOUGHTS)

→ पांच प्रकार के संकल्प

- समर्थ संकल्प / स्वमान (सबसे धीमी गति)
- +VE THOUGHTS
- साधारण विचार
- व्यर्थ
- -VE THOUGHTS
- विकारी विचार (सबसे तेज गति)

→ मन को साक्षी होकर देखिये

■ विचार आ रहे हैं और जा रहे हैं... और मैं आत्मा उन विचारों को साक्षी होकर देख रही हूँ...

➤➤ _ ➤➤ भाव और भावना (FEELINGS & EMOTIONS)

→ अलग अलग प्रकार के EMOTIONS

- भय
- क्रोध
- आनंद
- विश्वास
- आशा
- अपेक्षा
- घृणा
- आश्चर्य

→ भावनाओं में संकल्पों से बहुत ज्यादा ताकत होती है

→ ज्ञान / मुरली को EMOTIONALLY INVOLVED होकर समझना है... जैसे LOVERS आपस में EMOTIONALLY INVOLVED होते हैं..

➤➤ _ ➤➤ स्मृतियाँ (MEMORIES)

→ पास्ट की GOOD / BAD MEMORIES आते ही हम उसी स्वरूप में फिर से टिक जाते हैं

➤➤ _ ➤➤ कल्पना (IMAGINATION)

→ Imagination is Stronger Than Knowldge

→ सकारात्मक कल्पनाओं से आत्म विश्वास पैदा होता है

→ नकारात्मक कल्पनाओं से भय पैदा होता है

➤ ➤ ➤ स्वपन (DREAMS)

→ हम स्वयं को दिन भर जिन कार्यों में / स्मृतियों में INVOLVE रखते हैं, अक्सर स्वपन में वही बातें दिखती हैं

→ जिन बातों का दमन करते हैं , वह भी स्वपन में दिख सकता है

→ पास्ट जन्मों के आधार पर भी स्वपन दिखते हैं

→ “भविष्य में क्या होने वाला है ?” - यह भी दिखता है कई आत्माओं को

→ साक्षात्कार होना

➤ ➤ बाबा अलग अलग संबंधों से क्या सीखाता है ?

➤ ➤ ➤ सतगुरु के सम्बन्ध से

→ क्या सोचना है ?

➤ ➤ ➤ मनो चिकित्सक के सम्बन्ध से

→ ज्यादा नहीं सोचो

➤ ➤ तीन बातें जो हर परिस्थिति में कायम रखनी हैं ?

➤ ➤ ➤ शांत स्वरूप स्थिति

➤ ➤ ➤ एकरस स्थिति

➤ ➤ ➤ सहनशीलता
